K-627

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-508

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए, उत्तररामचरितम् के संदर्भ में 'भवभूति के नाटकों से मूल्य शिक्षा' विषय को उदाहरण देकर समझाइए।

2. नाटक के शास्त्रीय स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए, उत्तररामचरितम् के संदर्भ में 'भवभूति की नाट्यकला' पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. नायक का लक्षण बताते हुए उत्तररामचरितम् के नायक का 'धीरोदात्त' स्वरूप विस्तारपूर्वक सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

4. उत्तररामचरितम् में प्रयुक्त प्रधान एवं गौण रसों की सोदाहरण मीमांसा कीजिए।

5. निम्नांकित श्लोकों में से किसी एक की संदर्भ व्याख्या कीजिए-

तत्कालं प्रियजनविप्रयोगजन्मा
तीव्रोऽपि प्रतिकृतिवाञ्छया विसोढः।
दुःखाग्निर्मनसि पुनर्विपच्यमानो
ह्रन्मर्मव्रण इव वेदनां करोति।।

अथवा

एको रसः करुण एव निमित्तभेदा-
द्भिन्नः पृथक् पृथगिवाश्रयते विवर्तान्।
आवर्तबुदबुदतरङ्गमयान् विकारा-
नम्भो यथा सलिलमेवतु तत्समग्रम्।।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. उत्तररामचरितम् के द्वितीय अंक का कथासार लिखिए।

2. उत्तररामचरितम् के 'छाया' अंक का वैशिष्ट्य वर्णन करिए।

3. 'भवभूति की नाट्यशैली' की विशेषताएं बताइए।

4. 'पुटपाकप्रतीकशो रामस्य करुणो रसः' इस पर टिप्पणी लिखिए।

5. 'सन्तापकारिणो बन्धुजनविप्रयोगा भवन्ति' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

6. 'गुणा पूजास्थानं गुणिषु न च लिंगं न च वयः' इस सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

7. लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।
ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।।
इस श्लोक वाक्य की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

8. उत्तररामचरितम् के 'कौशल्याजनकयोग' नामक अंक का सारांश लिखिए।